हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 55 देहरादून, शुक्रवार, 18 अगस्त, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

श्री गुरू सिंह सभा को अल्पसंख्यक कल्याण निधि से 25 लाख रुपए की भेंट : मुख्यमंत्री 3

इन्वेस्टर समिट से पहले राज्य में निवेश की अच्छी ग्राउंडिंग होगी : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 18 अगस्त , उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023 के सफल आयोजन हेतु नीतिगत आधार तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराये जाने के लिए गठित मुख्यमंत्री सलाहकार समूह की पहली बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में राज्य में औद्योगिक निवेश बढ़ाने, रोजगार को बढ़ावा देने एवं राज्य की आर्थिकी में वृद्धि के लिए आगे की कार्ययोजनाओं पर चर्चा की गई। राज्य में निवेश बढ़ाने के लिए और क्या बेहतर प्रयास किये जा सकते हैं, इसके लिए औद्योगिक जगत से जुड़े लोगों से सुझाव लिये गये। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि राज्य में निवेश बढ़ाने के लिए निवेशकों द्वारा जो भी सुझाव दिये जा रहे हैं, उन सभी सुझावों को गंभीरता से लेते हुए उनको कार्यरूप में लाया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि इन्वेस्टर समिट होने तक राज्य में निवेश की अच्छी ग्राउंडिंग हो जाय। इसके लिए नीतियों का सरलीकरण के साथ उन पर तेजी से क्रियान्वयन के लिए अधिकारियों को निर्देश दिये गये हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेशकों को सभी अनुमतियां समय पर मिल जाएं इसके लिए समय सीमा निर्धारित की जायेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड में निवेश के लिए अनुकूल माहौल है, राज्य में निवेशकों को हर सम्भव सुविधाएं उपलब्ध कराये जाने के प्रयास राज्य सरकार द्वारा किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड में शांति व्यवस्था के साथ ही बेहतर मानव संसाधन भी उपलब्ध है। उन्होंने निवेशकों से आग्रह किया कि उन्हें जिन-जिन क्षेत्रों में दक्ष मानव संसाधन की आवश्यकता है, वह बताई जाए। राज्य सरकार द्वारा ऐसे क्षेत्रों में

युवाओं को प्रशिक्षण की पूरी व्यवस्थाएं की जायेंगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में राज्य में सड़क, रेल एवं हवाई कनेक्टिविटी का तेजी से विस्तार हुआ है। इन्वेस्टर समिट में 2.5 लाख करोड़ के निवेश का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा निवेशकों को राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों में निवेश के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इससे पर्वतीय क्षेत्रों में लोगों के रोजगार के संसाधन बढ़ेगे ओर पलायन भी रूकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड को वर्ष 2025 तक देश का अग्रणी राज्य बनाने का लक्ष्य रखा है। इसमें हमारे उद्योग जगत से जुड़े लोगों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में निवेश बढ़ाने के लिए औद्योगिक क्षेत्रों से जुड़े लोगों से लगातार संवाद हो रहे हैं। विभिन्न बैठकों में निवेशकों द्वारा उठाई गई समस्याओं के निस्तारण के लिए हर संभव प्रयास किये गये हैं। ग्लोबल इन्वेस्टर समिट-2023 से निवेश एवं रोजगार के अवसर बढ़ेगें एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर उद्योग जगत में हो रहे नए नवाचारों से हमारे उद्यमियों को भी लाभ प्राप्त होगा। राज्य सरकार द्वारा किए गए प्रयासों एवं उद्यमियों की लगन, फीडबैक से हमारा राज्य ईज ऑफ डूइंग बिजनेस रैंकिंग में देश में अचीवर्स की श्रेणी में सम्मिलित होकर अन्य कई बड़े राज्यों के समकक्ष खड़ा हुआ है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रारम्भ किये गये मेक इन इण्डिया और पी. एम. गति शक्ति जैसी केन्द्र सरकार की विभिन्न परियोजनाओं में उत्तराखण्ड के उद्यमी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। आजादी के इस अमृत काल में उत्तराखण्ड को भी आगे बढ़कर अपना योगदान देना है, इसमें उद्योग जगत की सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका है। औद्योगिक विकास के बैकबोन लॉजिस्टिक्स क्षेत्र को मजबूत करने और राज्य में व्यापार को सुविधाजनक बनाने के लिए कई बुनियादी ढांचा परियोजनायें शुरू की गयी है। निर्यात को बढ़ावा देने के लिए स्टेट ऑफ आर्ट के रूप में आई०सी०डी० की स्थापना की गयी है। शीघ्र ही अमृतसर कोलकाता इंडस्ट्रियल कॉरिडोर का कार्य आरम्भ होने वाला है। राज्य सरकार द्वारा उत्तराखण्ड लॉजिस्टिक्स नीति-2023 प्रख्यापित की गयी है, जिससे आधारभूत संरचना के विकास में मदद मिलेगी। राज्य सरकार ने विकसित उत्तराखंड को केंद्र में रख कर अपनी नीतियां बनाई हैं और यहीं कारण है कि आज उत्तराखंड तेजी से बिजनेस फ्रेंडली डेस्टिनेशन के तौर पर उभर रहा है।बैठक में कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज, प्रेमचन्द अग्रवाल, गणेश जोशी, डॉ. धन सिंह रावत, सुबोध उनियाल एवं सौरभ बहुगुणा ने राज्य में निवेश को बढ़ावा देने के लिए अपने सुझाव दिये। इस अवसर पर निवेशकों द्वारा राज्य में निवेश बढ़ाने के लिए अनेक सुझाव दिये गये। बैठक में औषधीय पादपों को बढ़ावा देने, राज्य में संचालित उद्योगों का सर्वे करने, उद्योगों की स्थापना के लिए अनुमतियां प्राप्त करने के लिए समय सीमा निर्धारित करने, उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए लैण्ड बैंक बनाने के सुझाव प्राप्त हुए। इस अवसर पर मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. संधु, अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, सचिव आर. मीनाक्षी सुदंरम, सचिन कुर्वे, डॉ. पंकज कुमार पाण्डेय, विनय शंकर पाण्डेय, महानिदेशक उद्योग रोहित मीणा, सूचना महानिदेशक बंशीधर तिवारी, महानिदेशक यूकॉस्ट प्रो. दुर्गेश पंत, औद्योगिक जगत से पतंजलि से आचार्य बालकृष्ण, सुभाष त्यागी, आईआईएम काशीपुर से प्रो. कुलभूषण बलूनी, आईआईटी रूडकी से प्रो. कमल किशोर पंत, चेयरमैन ग्राफीक ऐरा कमल घनशाला, अनिल गोयल, विजय धस्माना, डॉ. एस. फारूक, मुकुन्द प्रसाद, पंकज गुप्ता एवं औद्योगिक जगत से जुडे. अन्य प्रतिनिधि उपस्थित थे।

भाजपा मतलब विकास : मुख्यमंत्री

बागेश्वर उपचुनाव : भाषण में दिखा अनोखा अंदाज़

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

बागेश्वर , 18 अगस्त , बागेश्वर उपचुनाव में सीएम धामी का अंदाज़ ए बया एकदम जुड़ा नज़र आया। भावुक अभिभावक , चतुर वक्ता , विनम्र जन सेवक और कुशल भाजपाई वाले अंदाज़ का मिश्रण सियासी मंच पर दिखाई दिया जहाँ उन्होंने स्वर्गीय चंदन राम दास के नाम की बेहतरीन व्याख्या भी कर डाली। मुख्यमंत्री धामी बागेश्वर में भाजपा प्रत्याशी पार्वती दास के नामांकन के बाद जनसभा में बोल रहे थे।

मुख्यमंत्री धामी ने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि सर्वप्रथम, मैं, बागेश्वर विधानसभा से चार बार विधायक तथा कैबिनेट में मेरे सहयोगी रहे स्व. चन्दनराम दास जी को अपनी भावपूर्ण श्रद्धाजंलि अर्पित करता हूँ स्व. चन्दनराम दास जी का असमय हमारे बीच से चले जाना भाजपा परिवार के साथ ही मेरे लिए भी एक व्यक्तिगत क्षति है, क्योंकि उन्होंने हमेशा मुझे अपना छोटा भाई माना। वे अपने नाम के अनुरूप ही जीवन भर "चंदन" की तरह चारों ओर अपने विनम्र आचरण की खुशबू फैलाते रहे...

."राम" के अनुरूप मर्यादा पूर्ण आचरण करते रहे और हमेशा बागेश्वर की जनता का "दास" बनकर उसकी सेवा करते रहे।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि अब हमें बागेश्वर के चहुंमुखी विकास के लिए स्व. चन्दनराम दास जी की धर्मपत्नी श्रीमती पार्वती दास जी को उनके उत्तराधिकारी के रूप में रिकॉर्ड मतों से विजयी बनाकर हमारे कर्मठ नेता को सच्ची श्रद्धांजलि

देनी है और मुझे पूर्ण विश्वास है कि जिस प्रकार उपचुनाव में चंपावत की जनता ने मुझे भारी मतों से विजयी बनाकर एक नया रिकॉर्ड बनाया था, उसी प्रकार श्रीमती पार्वती दास जी को भी आप अपना सहयोग एंव समर्थन देकर विजयी बनाएंगे।

वही मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि भाईयो बहनों, भाजपा मतलब विकास है , भाजपा मतलब बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देना , भाजपा मतलब भ्रष्टाचार पर वार , भाजपा मतलब लैंड जिहाद और लव जिहाद पर प्रहार , भाजपा मतलब पहाड़ो में रेल का स्वप्न साकार करना , भाजपा मतलब परीक्षाओ में नकल विरोधियों के खिलाफ अभियान , भाजपा मतलब सामान नागरिक आचार संहिता को प्रदेश में लागू करने का प्रण , भाजपा मतलब नए भारत और नए उत्तराखंड का सपना साकार करना है इसलिए मैं, आप सभी से अपील करता हूँ कि आप बागेश्वर विधानसभा सीट पर पुनः कमल खिलाएं। क्योंकि स्व. चन्दनराम दास जी के स्वप्न को साकार करने के लिए, बागेश्वर में पुनः भाजपा की जीत अत्यंत आवश्यक है।

पति पत्नी और वो ! फबिंग की लत कहीं आपको तो नहीं ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 18 अगस्त , आज के दौर में जहां एक तरफ मोबाइल के इस्तेमाल से जिंदगी आसान हुई है तो वहीं दूसरी तरफ इससे बहुत से नुकसान भी हैं। क्योंकि इसका सबसे ज्यादा असर रिलेशनशिप पर पड़ रहा है। लोग आजू-बाजू में बैठकर भी हाल-चाल लेने के बजाय हेडफोन लगाकर मोबाइल में घुसे रहते हैं। दोस्तों, रिश्तेदारों में तो एक बारगी फिर भी इस आदत को बर्दाश्त किया जा सकता है, लेकिन but रिलेशनशिप में आपकी ये आदत अलगाव का कारण बन सकती है।

आपके रिश्तों में कहीं फबिंग ज़हर न बन जाये !

दरअसल मोबाइल फोन की वजह से रिश्तों को नुकसान पहुंचाने वाली जो नई आदतें बन रही हैं, उनमें फबिंग एक टर्म है। जो किसी भी रिश्तों को बुरी तरह चोटिल कर सकती है। तो चलिए आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि आखिर फबिंग क्या है? किसी भी रिश्ते और उनमें आने वाली जटिलताओं को परिभाषित करने के लिए हमारे पास कई शब्द हैं। जैसे रेड फ्लैग, ग्रीन फ्लैग ! उसी तरह फबिंग भी एक टर्म है, जिसे दो शब्दों को जोड़ कर बनाया गया है- फोन + स्नबिंग। यानी फोन पर चिपके रहने के कारण जब आप अपने पार्टनर को इग्नोर करते हैं, तो उसे फबिंग कहा जाता है। लेकिन यही फबिंग रिश्तों में दूरियों का कारण बन सकती है।

क्या है फबिंग ?

आज के समय में लोग फोन और सोशल मीडिया से जरा देर की भी दूरी बर्दाश्त नहीं कर पाते। अगर if इसकी आदत पड़ चुकी है कि किसी के मिलने और बातचीत के दौरान भी उनका ज्यादातर ध्यान फोन में ही लगा रहता है। बार-बार फोन चेक करना या सोशल मीडिया पर स्क्रॉल करते रहना एक बुरी लत के समान है। इससे सामने वाले पर आपका गलत इंप्रेशन पड़ता है। दरअसल फबिंग तब होती है जब व्यक्ति अपने फोन में व्यस्त होते हैं और अपने आस-पास के लोगों पर ध्यान नहीं देते। ऐसे बिहेवियर को अपमानजनक रूप में देखा जा सकता है और यह रिलेशनशिप पर बुरा प्रभाव डाल सकता है।

इमोशनल अटैचमेंट में कमी

पूरा दिन फोन में लगे रहने की आदत के चलते एक-दूसरे से बात करने का समय नहीं मिलता। बातचीत नहीं होगी, तो जाहिर सी बात है कि आपको पार्टनर की कई सारी बातें पता नहीं चल पाएंगी। वहीं इससे इमोशनल अटैचमेंट कम होता जाएगा। अगर if अकेलापन, निराशा और नाराजगी की भावनाएं पैदा होने लगेगी तो इस आदत से पार्टनर तनाव का शिकार भी हो सकता है।

इंटिमेसी में रुचि कम होना

बता दें फोन की लत इंटीमेसी में कमी की भी वजह बन रहा है। जी हां, कई बार स्क्रॉलिंग के दौरान फनी या अपने मतलब के कंटेंट मिल जाए, तो हम बाकी दूसरे काम भूल ही जाते हैं। रिलेशनशिप में क्योंकि इंटिमेसी का होना बहुत जरूरी होता है फिर चाहे वो फिजिकल हो या इमोशनल। इसका सीधा असर आपके रिश्ते पर पड़ता है। लड़ाई-झगड़े, मिसअंडरस्टैंडिंग की वजह फबिंग बन सकती है।

पैदा करता है शक

आमने- सामने बैठकर एक-दूसरे से बात करने की जगह अगर आप फोन का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो जाहिर सी बात है इससे शक ही पैदा होगा। क्योंकि पार्टनर सोचने को मजबूर हो जाएगा कि आखिर कौन इतना जरूरी है जिससे बात करने के लिए आप उसे इग्नोर कर रहे हैं। भले ही आप फोन में रील्स या गेम्स खेल रहे हों, लेकिन आपकी इस आदत से लड़ाई-झगड़े होना तो तय है।

उत्तराखंड : इटैलियन लाइट्स से जगमगाएगा विश्व प्रसिद्ध जागेश्वर धाम, ये है मास्टर प्लान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 18 अगस्त : उत्तराखंड अपने प्राचीन मंदिरों के लिए विश्व प्रसिद्ध है। यहां के मंदिर में दर्शन करने देश-विदेश से लोग बड़ी श्रद्धा के साथ आते हैं। अल्मोड़ा में स्थित बागेश्वर धाम भी लोगों की आस्था का एक बड़ा केंद्र है। यहां पर मौजूद मंदिरों में लोगों की आस्था बसती है। उनको यह एहसास होता है कि ईश्वर के करीब आना क्या होता है। ऐसे में सरकार जागेश्वर धाम के सौंदर्यीकरण की तैयारियों में जुट गई है। बता देंगे जागेश्वर धाम में हर वर्ष सैकड़ों श्रद्धालु अपने श्रद्धा के साथ आते हैं।

ऐसे में सरकार यहां पर सुख सुविधाओं के साथ ही यहां की सुंदरता को भी बढ़ाने की कोशिश में जुट गए है। उम्मीद लगाई जा रही है कि यहां पर आने वाले वक्त में और भी अधिक श्रद्धालु आएंगे जिससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और लोगों के बीच में रोजगार भी बढ़ेगा। ऐसे में जागेश्वर धाम जल्द ही आधुनिक लाइट से जगम-गाएगा। इसके लिए इटली से लाइट मंगाई जाएंगी। जी हाँ, पहले चरण में मास्टर प्लान के तहत धाम में लाइटिंग का काम होगा, जिसमें करीब 10 करोड़ रुपये खर्च होंगे। धाम के हर मंदिर को आधुनिक लाइट से सजाया जाएगा, जिसकी कवायद तेज हो गई है। आपको बता दें कि जागेश्वर धाम सीएम धामी के ड्रीम प्रोजेक्ट्स में से एक है। 125 मंदिरों का समूह जागेश्वर धाम का मास्टर प्लान तैयार कर इसे धरातल पर उतारने की कवायद तेज हो गई है।

पहले चरण में यहां के मंदिरों में लाइट लगनी है, जिसकी लागत 10 करोड़ प्रस्तावित है। इसकी खास बात यह है कि यहां के लिए इटली से लाइट आएंगी। और हर मंदिर में लाइटिंग का कार्य होगा। ऐसा बताया जा रहा है कि इस काम के बाद जागेश्वर धाम की सुंदरता में चार चांद लग जाएंगे। इस मास्टर प्लान के तहत कई रंग बिखेरने वाली आधुनिक लाइट के लगाने के बाद जागेश्वर धाम की छटा अद्भुत होगी और पूरा मंदिर समूह रंग-बिरंगी लाइट से जगमगा उठेगा। इसी के साथ इसके आसपास स्थित देवदार से भरे जंगलों को भी जगमग करने की कवायद हो रही है। इस मास्टर प्लान के तहत मंदिर समिति के धर्मशाला के पास से इटली से आने वाली आधुनिक लाइट से जंगल को फोकस किया जाएगा और रात के समय परिसर की छटा देखने लायक होगी। मंदिरों के साथ आसपास के जंगल भी रंग बिरंगी लाइटों से जगमगा उठेंगे सूत्रों के मुताबिक सीएम के ड्रीम प्रोजेक्ट में शामिल jageshwar dham master plan के कार्यों का शिलान्यास पीएम नरेंद्र मोदी कर सकते हैं।

विवाह की अनोखी परंपरा, जहां लड़कियां करती हैं 4 शादी, नहीं होती कभी विधवा

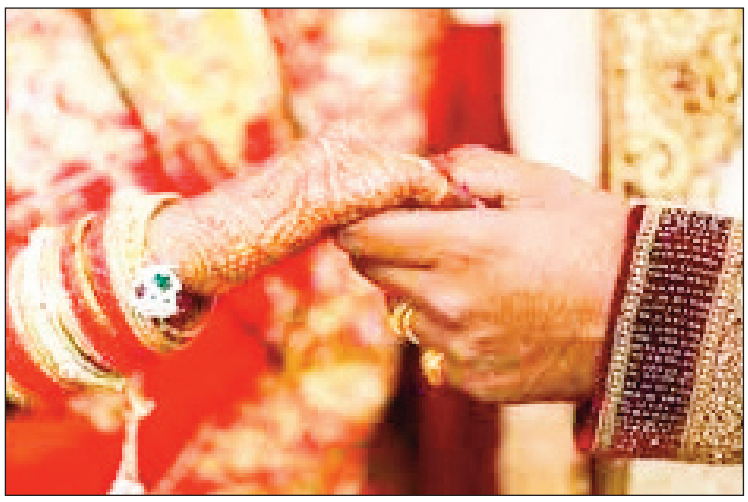

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 18 अगस्त : भारतीय समाज अपनी विविधता के लिए पूरी दुनिया में मशहूर है. इसी भारतीय समाज में शादी को लेकर अनेकों परंपराएं देखने को मिलती हैं. आज हम आपको एक ऐसी अनसुनी परंपरा से रूबरू कराने वाले हैं जिसे सुनकर आप भी चौंक जाएंगे. हिमाचल प्रदेश के सांगला से 28 किमी दूर एक छितकुल नाम का गांव है, जहां पर महिलाओं को इस बात की पूरी आजादी है कि वह 4 शादियां कर सकती हैं. हैरान होने की बात नहीं है क्योंकि यह परंपरा कई सालों पुरानी है और इसी तरह से चली आ रही है.

स्थानीय लोगों की मानें तो छितकुल का खानपान, रहन-सहन, पहनावा और यहां की संस्कृति देश के बाकी हिस्सों से बहुत अलग है. छितकुल तिब्बत और चीन की सीमा के बिल्कुल नजदीक है. इस देश का आखिरी गांव भी कहा जाता है. यहां पर देश का आखिरी बस स्टैंड, आखिरी पोस्ट ऑफिस और आखिरी स्कूल भी मौजूद है. यहां पर महिलाओं को 4 शादी करने की पूरी छूट दी गई है. अक्सर यहां देखा जाता है कि महिलाएं दो या चार भाइयों से शादी करती हैं.

हालांकि, यह जरूरी नहीं है लेकिन शादी होती है तो महिला अपने सभी पतियों के साथ एक ही घर में रहती है. स्थानीय लोग मानते हैं कि महाभारत काल के दौरान इसी गांव की एक गुफा में कुंती और द्रौपदी ने वास किया था. द्रौपदी और कुंती के साथ गांव के लोगों ने भी समय बिताया जिसके बाद से 4 विवाह वाली परंपरा को उन्होंने भी अपना लिया था तब से यह परंपरा जस की तस चली आ रही है.जब कोई एक पति पत्नी के साथ कमरे में होता है, तब वो अपनी टोपी कमरे के बाहर दरवाजे पर छोड़ देता है. इसका मतलब होता है कि पति-पत्नी एकांत में रहना चाहते हैं. इस वजह से दूसरा पति उनके माहौल में दखल नहीं देता है. सबसे अजीब बात है कि यहां पर शादी में सात फेरे नहीं लिए जाते हैं बल्कि बलि दी जाती है. आपको बता दें कि यहां पर शादी के बाद बेटियों को संपत्ति में कोई हिस्सा नहीं दिया जाता है.

गुरूद्वारे पर सीएम धामी ने झुकाया शीश : देहरादून , 18 अगस्त , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देहरदून में गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभाद्वारा सिख समुदाय के लोगों के विवाह के लिए बने ₹आनन्द कारज₹ की रजिस्ट्रेशन व्यवस्था लागू करने के उपलक्ष्य में आयोजित सम्मान समारोह में सम्मिलित हुए । आपको बता दें कि लंबे समय से चल रही यह मांग पूर्ण होने पर सिख समुदाय के लोगों ने प्रदेश सरकार का धन्यवाद व्यक्त किया। इस दौरान सीएम धामी ने गुरुद्वारे में मत्था टेका एवं समस्त प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि की कामना की।

श्री गुरू सिंह सभा को अल्पसंख्यक कल्याण निधि से 25 लाख रुपए की भेंट : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 18 अगस्त , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सहारनपुर चौक स्थित गुरूद्वारा में श्री गुरू सिंह सभा देहरादून द्वारा सिख समुदाय में होने वाले 'आनन्द कारज' की रजिस्ट्रेशन व्यवस्था लागू करने के उपलक्ष्य में आयोजित सम्मान समारोह कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि आढ़त बाजार के इस गुरुद्वारे में स्थित सराय को संसाधन युक्त किए जाने हेतु अल्पसंख्यक कल्याण निधि से 25 लाख रुपए की धनराशि दी जायेगी। सिख समाज में सेवा का जो विशेष भाव है, उसी भाव के अंतर्गत गरीब सिख परिवारों के बच्चों और समाज के अन्य गरीब तबकों के लिए सिख समाज ने विद्यालय खोले हैं। ऐसे विद्यालयों में संसाधन उपलब्ध किए जाने हेतु 25 लाख रुपए प्रदान किये जायेंगे।

मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुनानक देव जी को नमन करते हुए कहा कि उनके अंदर का सेवाभाव दिनों दिन बढ़ता रहे और गुरूनाकदेव जी का आशीर्वाद ऐसे ही पूरे प्रदेश पर बना रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आनंद कारज एक्ट के लिए वर्ष 1909 में पहली बार मांग उठी थी, इसके बाद एक्ट बनवाने तथा पास करवाने के लिए सिख समाज को लंबी लड़ाई लड़नी पड़ी। प्रदेश में राज्य सरकार ने कैबिनेट में आनंद कारज एक्ट को मंजूरी देकर सिख समाज की एक सदी पुरानी मांग को पूरा किया है। इस एक्ट के लागू होने से एक ओर जहां सिख समुदाय में महिला सशक्तिकरण की भावना को बढ़ावा मिलेगा, वहीं सभी विवाहों का पंजीकरण अनिवार्य होने से बाल विवाह, बहुविवाह को रोकने में भी मदद मिलेगी। यह एक्ट महिलाओं को पति से भरण-पोषण और बच्चों को अपनाने के अपने अधिकारों का उपयोग करने में भी सहायक सिद्ध होगा, इसके साथ ही विधवा महिलाओं को विरासत का दावा करने में सक्षम बनाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व का ही प्रतिफल है कि आज करतारपुर कॉरिडोर बनाने की सिख समाज की वर्षों पुरानी मुराद पूरी हो पाई। 26 दिसंबर को गुरू गोविंद सिंह जी के साहिबजादों की शहादत को याद करने के लिए पहली बार ''वीर बाल दिवस'' मनाने का ऐतिहासिक निर्णय लिया। देवभूमि उत्तराखण्ड में गोविंदघाट से हेमकुंड साहिब तक रोपवे का निर्माण किया जा रहा है। इस रोपवे के निर्माण के बाद हेमकुंड साहिब आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में बढ़ोत्तरी होगी, क्योंकि 19 किमी की पैदल चढ़ाई रोपवे से महज 45 मिनट में पूरी हो सकेगी। राज्य सरकार उत्तराखंड को श्रेष्ठ राज्य बनाने के लिए विकल्प रहित संकल्प को लेकर निरन्तर कार्य कर रही है। इस अवसर पर मेयर सुनील उनियाल गामा, विधायक खजानदास, गुरूद्वारा गुरू सिंह सभा के पदाधिकारी उपस्थित थे।

क्रोधित स्वभाव का परित्याग करने का तिरंगे के नीचे लिया संकल्प

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 18 अगस्त , 15 अगस्त पर पुलिस लाइन देहरादून में डीआईजी/ एस0एस0पी0 देहरादून ने ध्वजारोहण किया गया। ध्वजारोहण के पश्चात सभी उपस्थित अधिकारी/ कर्मचारी गणों को उनके व्यक्तित्व में कोई गलत आदत या अवगुण जैसे शराब पीना, बीड़ी, सिगरेट, तंबाकू, पान, गुटके का सेवन करना एवं अन्य ऐसी गलत आदत अथवा अवगुण, जिससे उनके व्यक्तित्व, पारिवारिक रिश्तेदारों, समाज व विभाग में गलत संदेश जा रहा है तथा उनके व्यक्तित्व पर कुप्रभाव पड़ रहा है, ऐसे अवगुणों का तिरंगे के नीचे हमेशा के लिए परित्याग करने का आह्वान किया गया

उन्होंने उन गलत आदतों के संबंध में बारीकी से समझाया व उन दुष्प्रभावो के संबंध में वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाते हुए उनका स्वयं मूल्यांकन करते हुए हमेशा के लिए परित्याग करने के लिए प्रेरित किया , इसके अतिरिक्त उपस्थित सभी अधिकारी /कर्मचारी गणों में से प्रत्येक को तिलांजलि देकर अपने व्यक्तित्व से एक अवगुण का हमेशा के लिए परित्याग कर अपने व्यक्तित्व को निखारने का आह्वान किया गया,डी-आईजी/ एस0एस0पी0 के बार-बार आह्वान करने तथा उपस्थित अधिकारियों/ कर्मचारियों को लगातार प्रेरित करने से एक पुलिसकर्मी प्रवीण कनौजिया सामने आया तथा उसके द्वारा अपने गुस्से का परित्याग कर अपने व्यक्तित्व में सुधार लाने हेतु तिरंगे झंडे के नीचे शपथ ली। उन्होंने कहा कि हो सकता है लोग सार्वजनिक रूप से अपनी कमियों को तिरंगे के नीचे परित्याग करने में हिचक रहे हो लेकिन बाद में वो अवगुण का परित्याग कर सकते हैं। दरअसल पूर्व में जहां-जहां भी डीआईजी/ एस0एस0पी0 दलीप सिंह कुंवर तैनात रहे, उन्होंने ऐसे राष्ट्रीय पर्व के अवसर पर अपने अधीनस्थ अधिकारियों/ कर्मचारियों को अपने अंदर के अवगुण का तिरंगे के नीचे परित्याग करने की लगातार प्रेरणा दी है। ऐसा ही एक नज़ारा उस वक्त दिखा जब पुलिसकर्मी प्रवीण कनौजिया ने क्रोध जैसे विष को त्यागने का तिरंगे के नीचे प्रण लिया।

उत्तराखंड की पहली महिला स्वतंत्रता सेनानी थी बिशनी देवी शाह

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 18 अगस्त , भारत में आज भी कई ऐसे गुमनाम नायक-नायिकाएं हैं, जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपना सब कुछ न्योछावर कर दिया। कई नाम ऐसे हैं जो भारत को आजादी दिलाते दिलाते अतीत के पन्नों में कहीं खो गए। उन नायक, उन नायिकाओं की कहानियां ऐसी हैं कि अंतर्मन को झकझोर देती हैं। इन्हीं में से एक नायिका थी उत्तराखंड के अल्मोड़ा की बिशनी देवी साह।बिशनी देवी शाह उत्तराखंड की पहली महिला स्वतंत्रता सेनानी थीं। आजादी की लड़ाई में जेल जाने वाली वो पहली महिला भी रही, प्यार से लोग उन्हें बिशू बूबू कहते थे।

मायके से लेकर ससुराल तक के लोगों ने ठुकरा दिया

बिशनी देवी का जन्म 12 अक्टूबर 1902 को बागेश्वर में हुआ था। बिशनी देवी ने बागेश्वर में ही कक्षा चार तक की शिक्षा ग्रहण की। 13 साल की उम्र में बिशनी देवी की शादी अल्मोड़ा के अध्यापक रामलाल के साथ हुई। 16 साल की उम्र में पति का निधन हुआ, तो मायके और ससुराल वालों ने उन्हें ठुकरा दिया। पति की मौत के बाद बिशनी देवी अपने भाई के साथ अल्मोड़ा में रहने लगी। धीरे धीरे बिशनी देवी का झुकाव आजादी के आंदोलनों की तरफ होने लगा। 1921 में बिशनी देवी भी राष्ट्रीय आंदोलन में प्रत्यक्ष रूप से कूद पड़ीं। धीरे धीरे बिशनी देवी लोक पर्वों पर देशप्रेम पर आधारित गीत गाने लगीं। उनकी सक्रियता को देखते हुए 1930 में पहली बार गिरफ्तार किया गया।

आजादी के आंदोलनों में रही सक्रिय भूमिका

अल्मोड़ा जेल से रिहाई के बाद वह गांव-गांव महिलाओं को संगठित करने लगी। वो आंदोलनकारियों के लिए धन संग्रह करतीं और गुप्त रूप से जरूरी सामग्री मुहैया करातीं। 1932 में बिशनी देवी को फिर से गिरफ्तार कर लिया गया। 1932 में ही एक बार फिर से उन्हें गिरफ्तार कर अल्मोड़ा जेल रखा गया। बार बार गिरफ्तारी के बाद साहस में कमी नहीं आई। 29 मई 1933 को उन्हें रिहा कर दिया गया। 1945 में जब जवाह-रलाल नेहरू अल्मोड़ा कारागार से रिहा हुए तो बिशनी देवी उन्हें लेने के लिए कारागार के मुख्य द्वार पर गई और सरकारी अफसरों पर कटाक्ष किया। वो लगातार स्वाधीनता के आंदोलनों में सक्रिय रही।

1974 में हुआ निधन

1974 में 93 साल की आयु में लोगों की प्यारी बिशू बूबू यानी बिशनी देवी शाह का देहांत हो गया। कहा जाता है कि उस दौरान शव यात्रा में हजारों लोग शामिल हुए थे। उत्तराखंड में महिला समाज में राजनीतिक चेतना, महिलाओं के संगठित करने, सामाजिक सांस्कृतिक अधिकारों के प्रति प्रेरित करने का श्रेय बिशनी देवी को जाता है। ये ही वजह है कि देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी उन्हें याद कर श्रद्धांजलि दी। राज्य की इस महिला स्वतंत्रता सेनानी को शत शत नमन।

उत्तरकाशी के दयारा बुग्याल में खेली गई मक्खन की होली, जानिए इसकी खास बातें

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तरकाशी 18 अगस्त : ज़िंदगी न मिलेगी दोबारा में आपने टोमैटिना फेस्टिवल के बारे में देखा होगा न आज हम आपको टमाटर की नहीं बल्कि मक्खन की होली खेलने वाले त्योहार के बारे में बताते हैं जो कि हमारे ही उत्तराखंड का है। उत्तराखंड प्रकृति से जुड़ा हुआ राज्य है। यहां के लोक पर्वों में भी प्रकृति की झलक दिखती है और यह लोगों को यह प्रकृति से जोड़ते हैं। प्रकृति हमको इतना कुछ देती है और हम अपने लोक पर्व और त्योहारों के जरिए प्रकृति को उसका दिया हुआ प्रेम वापस लौटते हैं।

साभार - सो.मी.

प्रकृति माँ के प्रति आभार प्रकट करने का एक ऐसा ही उत्सव है अंढूड़ी उत्सव , या बटर फेस्टिवल। उत्तरकाशी में रैथल ग्रामवासी , मखमली बुग्याल दयारा में भाद्रपद की संक्रांति को अपने मवेशियों के ताजे दूध ,दही , मठ्ठा और मक्खन प्रकृति को अर्पित करके उत्सव मनाते हैं। जिसे अंढूड़ी उत्सव या बटर फेस्टिवल कहते हैं। दयारा बुग्याल समुद्रतल से 11000 फ़ीट की ऊंचाई पर स्थित है। और यह बुग्याल 28 वर्ग किलोमीटर में फैला हुवा है। पशुधन के घर आने की ख़ुशी में बटर फेस्टिवल के दिन ग्रामीण अपने घरों को सजाते हैं।

यहां एक दूसरे पर दूध मट्ठा फेंक कर ,और एक दूसरे को मक्खन लगाकर मक्खन की होली मनाई जाती है।

पहले यह त्यौहार गाय के गोबर को एक दूसरे पर फेंक कर मनाया जाता था। बाद में इसमें गोबर की जगह , दूध ,मक्खन और छाछ, का प्रयोग करने लगे। उत्तरकाशी जिले से 40 किमी दूर 11 हजार फीट ऊंचे दयारा बुग्याल में बीते दिन मक्खन की होली खेली गई ।

चाय पीने से बढ़ती है उम्र, ये है इसके और भी फायदे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 18 अगस्त : आमतौर पर हम सबके दिन की शुरुआत एक कप चाय या कॉफी से होती है। सुबह-सुबह उठकर एक कप चाय कॉफी पीकर हम खुद को रिफ्रेश महसूस करते हैं लेकिन हर दिन हमें तरोताजा करने वाली चाय केवल इतना ही काम नहीं करती बल्कि ये हमारी उम्र को भी बढ़ाती है। जी हां चाय पीने से उम्र बढ़ती है। ये बात एक ताजा रिसर्च में सामने आई है।

ताजा स्टडी के मुताबिक चाय पीने से उम्र बढ़ती है और सेहत में भी सुधार होता है। ये अध्ययन चीन की राजधानी पेइचिंग में अकादमी ऑफ मेडिकल साइंसेज में हुआ है। इस अध्ययन से जुड़े लेखक शिनयान वांग का कहना है कि चाय पीने से मौत का जोखिम कम हो जाता है। वहीं चाय पीने वाले लोगों के सेहत पर सकारात्मक असर देखा गया है। उनकी सेहत में सुधार हुआ है। यह अध्ययन यूरोपियन जर्नल ऑफ प्रिवेंटिव कार्डियोलॉजी में प्रकाशित हुआ है ऐसे हुई रिसर्च : इस अध्ययन में शामिल प्रतिभागियों को दो समूहों में बांटा गया था। एक समूह में चाय पीने वाले और दूसरे समूह में चाय नहीं पीने वाले या कम पीने वाले प्रतिभागियों को रखा गया। दोनों समूहों पर शोधकर्ताओं ने करीब सात साल तक नजर रखी और उनका विश्लेषण किया। इस अध्ययन में देखा गया कि चाय न पीने वालों की तुलना में जो लोग चाय पीने के शौकीन थे और हफ्ते में तीन बार से ज्यादा चाय पीते थे उनकी उम्र बढ़ी और वो सेहतमंद रहे। ऐसे में जो लोग भी चाय पीने के शौकीन है, उनके लिए खुशखबरी है कि वे आराम इसे पी सकते हैं।

संक्षिप्त खबरें

मुनिकीरेती पालिका प्रशासन ने की सहयोग की अपील

ऋषिकेश। मुनिकीरेती नगरपालिका का ज्यादातर इलाका आपदाग्रस्त है। 300 से ज्यादा लोग घरों में छतों तक मलबा आने से अस्थायी ठिकानों पर रहने को मजबूर हैं। हर रोज उन्हें तीन टाइम का खाना खिलाने के लिए पालिका करीब एक लाख रुपये खर्च कर रही है। लोगों के घरों से मलबा हटाने के लिए पालिका की आठ जेसीबी और 12 ट्रैक्टर-टॉलियों के साथ 150 श्रमिक लगे हैं। अब पालिका प्रशासन ने समाजसेवी और धार्मिक व अन्य संस्थाओं से खाना उपलब्ध कराने के लिए आगे आने का आह्वान किया है। भारी बारिश के कारण मुनिकीरेती स्थित खारास्रोत, ढालवाला और शीशमझाड़ी क्षेत्र आपदा से प्रभावित है। खासकर खारास्रोत में 102 घर प्रभावित हैं। इन घरों में छतों तक मलबा जमा हो गया है। ढालवाला क्रेजी रोड मलबा आने से अभी भी बंद है, तो शीशमझाड़ी में जलभराव और मलबे से हालात बद से बदतर हैं। आपदा की शुरुआत में नगरपालिका ने चिन्हित चार स्थान बारात घर, पूर्णानंद डिग्री कॉलेज, कबीर चौरा आश्रम और पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में तकरीबन 700 लोगों को शिफ्ट किया था। इनमें से ज्यादातर रिश्तेदारी या फिर कहीं और पनाह ले चुके हैं, मगर अभी भी इन अस्थायी ठिकानों में 300 से ज्यादा लोग आसरा लिए हैं। इन लोगों को तीन वक्त का खाना नगरपालिका प्रशासन उपलब्ध करा रहा है। हर रोज एक लाख से लेकर 75 हजार रुपये खाने पर खर्च हो रहे हैं। जबकि, घरों से मलबा हटाकर संबंधित लोगों को वापस घर लौटाने में अभी करीब 20 दिन का समय और लगने की संभावना अधिकारियों ने जताई है। ऐसे में खाने की व्यवस्था के लिए पालिका ने सामाजिक, धार्मिक व अन्य संस्थाओं से सहयोग की अपील की है।

श्रीदेवसुमन विवि ऋषिकेश में शुरू हुआ फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम

ऋषिकेश। श्रीदेवसुमन विवि के ऋषिकेश कैंपस में ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट सेल का गुरुवार को पहला फैकेल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम शुरू हुआ। इसमें देश के विभिन्न राज्यों के 40 विषय विशेषज्ञों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग विषय और इसे विश्वविद्यालयों में विषयक रूप में संचालित करने पर मंथन किया। एक सप्ताह तक चलने वाले इस प्रोग्राम का मुख्य विषय मैटलैब एंड इट्स एप्लिकेशन इन एआई एंड एमएल है। नई दिल्ली, कर्नाटक, उडीसा, गुजरात, उत्तर प्रदेश आदि से कुल 40 विषय विशेषज्ञ ऑनलाइन माध्यम से जुड़ इस विषय पर मंथन कर रहे हैं। कार्यक्रम की कोर्डिनेटर डॉ. अनीता तोमर ने बताया कि इस प्रोग्राम के तहत विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में एआई यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को विषयक रूप में संचालित कर छात्र-छात्राओं के लिए उसमें नीहित रोजगार पर विचार विमर्श किया जा रहा है। मौके पर प्रो. एनके राजपूत, प्रो. सुशील कुमार, प्रो. प्रसन्ना कुमार, प्रो. जगदीश चन्द्र बंसल, प्रो. हिमांशु गुप्ता, प्रो. संजीव कुमार, प्रो. अशोक कुमार, प्रो. अमर किशोर, प्रो. अनिल कुमार, प्रो. सौरभ कपूर आदि रहे।

राजस्व पुलिस व्यवस्था समाप्त करने के मामले में प्रगति रिपोर्ट मांगी

हल्द्वानी। हाईकोर्ट ने राज्य में राजस्व पुलिस व्यवस्था समाप्त करने को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई की। कोर्ट ने सरकार से दस दिन के भीतर प्रगति रिपोर्ट पेश करने को कहा है। मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति विपिन सांघी व न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल की खंडपीठ में हुई। अगली सुनवाई के लिए एक नवंबर की तिथि नियत की गई है। मामले के अनुसार जाखन देहरादून के कुछ लोगों की ओर से जनहित याचिका दायर की गई है। जिसमें कहा गया है, कि वर्ष 2004 में सुप्रीम कोर्ट ने भी नवीन चंद्र बनाम राज्य सरकार के मामले में इस व्यवस्था को समाप्त करने की आवश्यकता बताई थी। कहा गया कि राजस्व पुलिस को सिविल पुलिस की तर्ज पर ट्रेनिंग नहीं दी जाती है। यही नहीं राजस्व पुलिस के पास आधुनिक साधन, कंप्यूटर, डीएनए व रक्त परीक्षण, फॉरेंसिक जांच, फिंगर प्रिंट जैसी मूलभूत सुविधाएं नहीं होती हैं। इन सुविधाओं के अभाव में अपराध की समीक्षा करने में परेशानी होती है। कोर्ट ने यह भी कहा था, कि राज्य में सभी नागरिकों के लिए एक समान कानून की व्यवस्था हो। हाईकोर्ट ने भी इस संबंध में सरकार को 2018 में कई दिशा निर्देश दिए थे।

डिजिटल फ्रॉड का चौंकाने वाला मामला चाइनीज ऐप से 1,400 करोड़ की ठगी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 18 अगस्त , गुजरात में डिजिटल फ्रॉड का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक चीनी नागरिक ने इलाके के लोगों को अपने साथ मिलाकर एक फुटबॉल सट्टेबाजी ऐप विकसित किया. इस ऐप के जरिए उत्तरी गुजरात में लगभग 1,200 लोगों को शिकार बनाया गया. जिसका नतीजा यह हुआ कि नौ दिनों में ही लगभग 1,400 करोड़ रुपये की ठगी कर ली, जो काफी बड़ा और चौंकाने वाला फ्रॉड माना जा रहा है.ऑपरेशन इतना भयावह था कि गुजरात पुलिस को इस योजना के पीछे के मास्टरमाइंड का खुलासा करने के लिए एक विशेष जांच दल (SIT) का गठन करना पड़ा. जांच SIT टीम को चीन के शेन्ज़ेन क्षेत्र के वू उयानबे के पास तक ले गई, जिसके बारे में माना जाता है कि उसने पाटन और बनासकांठा में इतने बड़े घोटाले को अंजाम दिया था.इस फ्रॉड के बारे में पहली बार जून 2022 में पता चला, जब ठगों ने "दानी डेटा" ऐप का इस्तेमाल करके गुजरात और उत्तर प्रदेश में लोगों को अपना

साभार - सो.मी.

निशाना बनाया. आगरा पुलिस ने जांच शुरू की, जिसमें अंततः उत्तरी गुजरात के कई व्यक्तियों से संबंध के बारे में जानकारी मिली.SIT टीम की जांच में इस बात की जानकारी मिली कि चीनी नागरिक 2020 और 2022 के बीच भारत आया था. वह पाटन और बनासकांठा में कुछ समय तक रुका था. जहां उसने लोकल लोगों को पैसे देने का लालच दिया जिसके चक्कर में लोग फंस गए. गुजरात में अपने सहयोगियों के साथ मिलकर, उसने मई 2022 में ऐप लॉन्च किया, जिसमें बेट लगाने के लिए लोगों को आमंत्रित किया गया और उन्हें पर्याप्त रिटर्न का ऑफर किया गया.

उयानबे 15 से 75 वर्ष की आयु के लोगों से हर रोज औसतन 200 करोड़ रुपये ठगने में कामयाब रहा. मुख्य रूप से फुटबॉल खेल के माध्यम से. ऐप ने नौ दिनों के बाद अचानक काम करना बंद कर दिया, जिससे निवेशकों को एहसास हुआ कि उनका पैसा डूब गया है.CID (Crime) साइबर सेल ने बाद में मामले से जुड़े नौ लोगों को गिरफ्तार किया, जिन्होंने कथित तौर पर शेल कंपनियां बनाकर हवाला नेटवर्क के माध्यम से पैसे की आवाजाही की सुविधा प्रदान की थी. हालांकि, अगस्त 2022 में जब गुजरात पुलिस ने कार्रवाई की, तब तक मास्टरमाइंड गायब हो चुका था और चीन लौट पहुंच चुका था.काफी प्रयास किए जाने के बावजूद, उयानबे के प्रत्यर्पण के लिए आगे बढ़ने के लिए पर्याप्त सबूत नहीं थे. यह बताया गया है कि वह कई फ्रॉड वाले ऐप्स का उपयोग करके शेन्ज़ेन, चीन के साथ-साथ हांगकांग और सिंगापुर जैसे पड़ोसी क्षेत्रों में अपना नेटवर्क संचालित करना जारी रखता है. इस चल रहे मामले में सीआईडी ने मार्च में आरोप पत्र दायर किया.

सावधान : देहरादून में डेंगू का कहर

देहरादून 18 अगस्त : देहरादून में डेंगू मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है. पिछले दो दिन की रिपोर्ट के मुताबिक देहरादून जिले में डेंगू के 38 नए मरीज मिले हैं. बीते दिन जिले में डेंगू के 387 और बुधवार को 1256 एलाइजा टेस्ट किए गए थे. इसमें 38 पॉजिटिव आए हैं. अब तक जिले में डेंगू के 240 मरीज मिल चुके हैं. जिसमें से 1 की मौत भी हो चुकी है. चिंताजनक बात यह है कि जिले में डेंगू के सभी मरीजों को अस्पतालों में भर्ती कराना पड़ रहा है, इसके कारण ज्यादातर अस्पतालों में बेड फुल हैं वहीं प्लेटलेट्स की भी मांग बढ़ गई है.

सरकारी अस्पताल में सिर्फ दून अस्पताल में ही प्लेटलेट्स नौ हजार रुपये (9000) में मिल रही हैं. इसके अलावा सरकारी किसी अस्पताल में प्लेटलेट्स उपलब्ध नहीं हैं. निजी ब्लड बैंक में इसके लिए 12000 खर्च करने पड़ रहे हैं। हालांकि आयुष्मान कार्ड होने पर प्लेटलेट्स की सुविधा निशुल्क उपलब्ध है. जिले में सबसे अधिक मरीज अजबपुर कला और धर्मपुर में मिल रहे हैं. इसके अलावा रेस कोर्स, जीएमएस रोड, पटेल नगर, कार्गी, बंजारावाला, सिंगल मंडी, पथरी बाग, देहराखास, मोथरोवाला, त्यागी रोग, आढ़त बाजार, करनपुर, बड़ोवाला, मुस्लिम कालोनी लक्खी बाग, चुक्कूवाला, माजरा, अब ऋषिकेश में भी डेंगू मरीज मिलने के बाद हाई अलर्ट जारी किया गया है.

Health Tips : खाने के तुरंत बाद भूलकर भी न करें ये काम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 18 अगस्त : खाने के बाद कुछ लोग सोना पसंद करते हैं, तो वहीं कुछ लोग धूम्रपान करना पसंद करते हैं। कई लोग तो ऐसे होते हैं, जो खाने के तुरंत बाद चाय भी पीते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं, ये आदतें सेहत को कैसे प्रभावित करती हैं। जी हां, लंच या डिनर करने के ठीक बाद आपको कुछ चीज़ों को करने से बचना चाहिए। तो आइए जानते हैं, खाने के तुरंत बाद क्या नहीं करना चाहिए? लंच या डिनर करने के बाद झपकी लेना बहुत ही सुखद अहसास होता है। लेकिन यह सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है। ऐसा करने से पाचन तंत्र प्रभावित होता है। दरअसल, खाना पचने में देरी हो सकती है। इसलिए खाने के तुरंत बाद सोने से परहेज करें।

सिगरेट पीना एक बुरी लत है, जिससे आप कई खतरनाक बीमारियों के शिकार हो सकते हैं। अगर आप भोजन के तुरंत बाद धूम्रपान करना पसंद करते हैं, तो यह आपके लिए ज्यादा हानिकारक हो सकता है। हेल्थ एक्सपर्ट के अनुसार खाने के बाद धूम्रपान करना 10 सिगरेट पीने के बराबर है। जिससे खतरा काफी बढ़ जाता है हेवी खाना खाने के बाद कभी न नहाएं, क्योंकि इससे खाना देरी से पचता है। ऐसा इसलिए, क्योंकि नहाने के दौरान शरीर के चारों ओर रक्त प्रवाह बढ़ जाता है और पाचन तंत्र में दिक्कत हो सकती है। बेशक, फल सेहतमंद होते हैं, लेकिन खाने के तुरंत बाद इनका सेवन करना आपके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। फल खाने का सबसे अच्छा समय खाने के 2 घंटे पहले या बाद में होता है, इससे मेटाबॉलिज्म को बेहतर होता है।

चाय में कैफीन भरपूर मात्रा में पाया जाता है। अगर आप खाने के ठीक बाद चाय पीते हैं, तो इससे भोजन को पचाना मुश्किल हो जाता है। कई लोग, खाने के ठीक बाद चाय पीना पसंद करते हैं। अगर आप भी उन्हीं लोगों में से एक हैं, तो आपको अपच की परेशानी हो सकती है। पर्याप्त मात्रा में पानी पीना हेल्थ के लिए ज़रूरी है। लेकिन खाने के तुरंत बाद ज्यादा पानी पीना आपके लिए परेशानी का सबब बन सकता है। इससे अपच या एसिडिटी की समस्या हो सकती है।

अब कुत्तों की जगह गायों को यूनिट में शामिल करेगी ये पुलिस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 18 अगस्त : अपराधियों को ढूंढने के लिए पुलिस कुत्तों का इस्तेमाल करती है। कुत्तों को स्पेशल ट्रेनिंग दी जाती है ताकि वे कानून व्यवस्था को बरकरार रखने में वे प्रशासन की मदद करें। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि कुत्तों की जगह कोई और जानवर भी ये काम कर सकता है? वो भी बिना ट्रेनिंग के। मामला है अमेरिका के उत्तरी कैरोलिना का, जहां एक भगोड़े की तलाश में पुलिस काफी समय से लगी हुई थी। पुलिस ने हर जगह उस अपराधी को खोजने की कोशिश की लेकिन कामयाब नहीं हो सकी।

आपको जानकर हैरानी होगी कि लंबे समय से अपराधी को खोज रही पुलिस का काम कुछ गायों ने आसान कर दिया। 'टाइम्स नाऊ' की खबर के मुताबिक, अपराधी का पीछा कर रहे आरोपी को जब कहीं जगह नहीं मिली तो वो खेत में जा छिपा।

ट्रैफिक स्टॉप से भागा अपराधी सीधे जाकर घास फूस में जा घुसा। एक प्रेस रिलीज में अधिकारियों ने कहा कि संदिग्ध ने डीप गैप में यूएस 421 और यूएस 221 के

साभार - सो.मी.

एरिया में अपना वाहन छोड़ दिया और एक ऐसे इलाके में भाग गया, जो विकसित नहीं था। उसकी तेज स्पीड और लापरवाही से गाड़ी चलाने के कारण हमारे अधिकारी ये देख नहीं सके कि वो भागा कहां है।बताते चलें कि शख्स की पहचान 34 वर्षीय जोशुआ रसेल मिंटन के तौर पर हुई है। वो पुलिस से बच निकलने की फिराक में खेत में जा छिपा था लेकिन लंबे समय तक वहां रह नहीं सका क्योंकि नाराज गायों ने उसे अपने इलाके में टिकने ही नहीं दिया। जैसे ही अधिकारियों ने उस इलाके में खोजबीन शुरू की, वहां की गाय मानो उनका स्वागत करने लगीं। जाहिर तौर पर गाय भी संदिग्ध को अपने इलाके से बाहर निकलवाना चाहती थीं। उन्होंने एक तरह से छुपे हुए संदिग्ध को निकालने में अधिकारियों की मदद की। जब गायों ने पुलिस की मदद की तो पुलिस के अधिकारी भी कुत्तों की जगह गायों को ट्रेनिंग देने लिए कहा ?

जीवन बीमा की प्रीमियम 5 लाख रुपए से अधिक है तो जान लीजिये नए नियम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 18 अगस्त , आयकर विभाग ने पांच लाख रुपये से अधिक के वार्षिक प्रीमियम होने की स्थिति में जीवन बीमा पॉलिसी से प्राप्त आय की गणना के लिये नियम तय किये हैं. केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने आयकर अधिनियम (सोलहवां संशोधन), 2023 को अधिसूचित किया है. इसमें जीवन बीमा पॉलिसी की परिपक्वता पर प्राप्त राशि के संबंध में आय की गणना के लिये नियम 11यूएसीए निर्धारित किया गया है.यह प्रावधान उन बीमा पॉलिसी के लिए है जिसमें प्रीमियम राशि पांच लाख रुपये से अधिक है और ऐसी पॉलिसी एक अप्रैल, 2023 या उसके बाद जारी की गयी हैं.संशोधन के अनुसार, एक अप्रैल, 2023 को या उसके बाद जारी की गई पॉलिसी के लिये, धारा 10(10डी) के तहत परिपक्वता लाभ पर कर छूट केवल तभी लागू होगी, जब किसी व्यक्ति की तरफ से भुगतान किया गया कुल प्रीमियम सालाना पांच लाख रुपये तक हो.इस सीमा से अधिक प्रीमियम के लिये प्राप्त राशि को आय में जोड़ा जाएगा और लागू दर के हिसाब से कर लगाया जाएगा. यूलिप (यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान) को छोड़कर जीवन

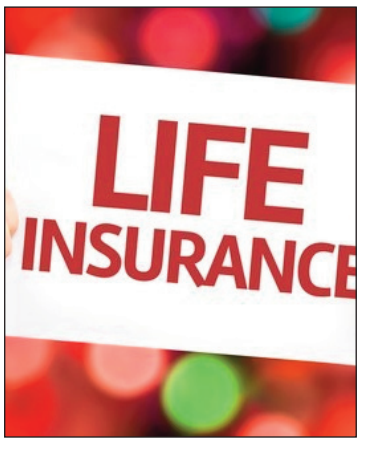

बीमा पॉलिसियों के संबंध में कर प्रावधान में बदलाव की घोषणा वित्त वर्ष 2023-24 के बजट में की गयी थी.एएमआरजी एंड एसोसिएट्स के संयुक्त भागीदार (कॉरपोरेट और अंतर्राष्ट्रीय कर) ओम राजपुरोहित ने कहा कि फॉर्मूले के अनुसार, परिपक्वता पर प्राप्त कोई भी अधिशेष राशि पर 'अन्य स्रोतों से आय' की श्रेणी के अंतर्गत कर लगेगा. बीमा धारक की मृत्यु पर प्राप्त राशि के लिये कराधान प्रावधान को नहीं बदला गया है और वह पहले की तरह आयकर से मुक्त होगा.

डीएम सोनिका ने भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 18 अगस्त , जिलाधिकारी सोनिका ने तहसील विकासनगर क्षेत्रान्तर्गत मदर्सू मजरा जाखन के भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने राजस्व विभाग एवं रेखीय विभागों के अधिकारियों को प्रभावितों/ग्रामीणों हेतु मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराने के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने प्रभावित क्षेत्र से ग्रामीणों को पर शिफ्ट किए गए सुरक्षित स्थान पर बने रहने को कहा। जिला प्रशासन द्वारा फौरी राहत के तौर पर प्रभावितों/पीड़ितों को मुआवजे के रुप अहेतुक धनराशि के चैक वितरित किए गए। वहीं प्रभावित 28 परिवारों के लगभग 100 से 150 लोगों को पास के ही गांव पष्टा के जूनियर हाईस्कूल में राहत कैम्प लगाया गया है, कुछ प्रभावित लोग आस पास में रह रहे अपने रिश्तेदारों के यहां ठहरे हुए है।

तहसील विकासनगर क्षेत्रान्तर्गत मदर्सू मजरा जाखन में भूस्खलन की घटना घटित हुई जिसमें क्षेत्र के 10 मकान पूर्ण क्षतिग्रस्त, 2 पक्के मकान आंशिक रूप से एवं 7 गौशाला क्षतिग्रस्त हुई हैं। जिलाधिकारी के निर्देशों के अनुपालन में राजस्व विभाग सहित रेखीय विभागों के अधिकारी मौके पर उपस्थित होकर राहत बचाव कार्य में लगे है। जिलाधिकारी द्वारा ग्रामीणों को सुरक्षित स्थान पर बने रहने तथा राजस्व विभाग एवं रेखीय विभागों के अधिकारियों को राहत कैंप में मूलभूत सुविधाएं बनाए रखने के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी के निर्देशों के अनुपालन में तहसील प्रशासन के द्वारा मौक़े सभी लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। जिलाधिकारी ने राजस्व विभाग के अधिकारियों को क्षति का आंकलन करने, भू-वैज्ञानिकों को क्षेत्र का भूगर्भीय सर्वे करने तथा प्रभावित परिवारों को विस्थापित करने का प्रस्ताव बनाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी द्वारा प्रभावित परिवारों से वार्ता कर उनका हाल-चाल जाना तथा दर्द भी साझा किया। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि लोगों को किसी प्रकार की समस्या न हो इसका विशेष ध्यान रखें। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी विकासनगर विनोद कुमार सहित राजस्व तथा रेखीय विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

क्या आप जानते है , लिफ्ट में शीशा क्यों लगाया जाता है

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 18 अगस्त : जब भी आप किसी लिफ्ट में चढ़ते होंगे तो सबसे पहले अपने बाल सेट करते होंगे, फिर अपने चेहरे को देखते होंगे और कपड़े सुधारते होंगे. कई लोग तो अगर किसी ऊपरी मंजिल पर मीटिंग करने जाते हैं, तो लिफ्ट में ही कपड़े ठीकठाक कर लेते हैं जिससे सीनियर्स के सामने अच्छा इंप्रेशन पड़े. पर क्या आपने कभी सोचा है कि आखिर लिफ्ट में कांच क्यों लगाए जाते हैं? वो कोई मेकअप करने की जगह तो है नहीं! चलिए आपको इसका कारण बताते हैं.क्लॉस्ट्रोफोबिया यानी छोटी जगहों का डर. बहुत से लोग लिफ्ट या उसके जैसी अन्य छोटी जगहों पर जाने में डरते हैं. इस डर की वजह से उनकी सांस तेज हो सकती है और उनकी धड़कनें बढ़ सकती हैं. कांच होने से लोगों को महसूस होगा जैसे वो लिफ्ट काफी बड़ी है. उसमें भीड़ भाड़ भी कम लगने लगती है और लोगों का दम नहीं घुटता.

कांच लगाने का दूसरा कारण है लोगों का ध्यान भटकाना. ऊंची इमारतों में लोगों को अक्सर लिफ्ट में काफी समय बिताना पड़ता है. यही कारण है कि लिफ्ट में कांच लगाए जाते हैं जिससे लोगों का ध्यान भटके और वो इस बात पर गौर ना करें कि उन्हें कितनी देर लिफ्ट में खड़े होना पड़ रहा है, साथ ही वो बोर भी ना हो जाएं. बिना कांच की लिफ्ट में लोगों को सिर्फ जमीन पर देखने के अलावा और कोई रास्ता नहीं दिखेगा, जिससे लिफ्ट में चलना बोरिंग लग सकता है.लिफ्ट में कांच लगाने के पीछे सबसे बड़ा कारण है सुरक्षा. लिफ्ट में एक साथ कई लोग यात्रा करते हैं. ऐसे में बहुत बार ऐसा भी होता है कि लोग लिफ्ट की पिछली दीवार की ओर मुंह घुमाकर खड़े हो जाते हैं. अगर लिफ्ट में कांच ना लगा हो, तो उन्हें पता ही ना चले कि पीछे खड़ा व्यक्ति क्या हरकत कर रहा है. कांच लगने होने से लोग एक दूसरे पर नजर रख सकते हैं. इसके अलावा कांच लगे होने से जो लोग व्हीलचेयर पर बैठकर अंदर घुसते हैं, वो आसानी से, बिना पीछे मुड़े भी लिफ्ट के अंदर जा सकते हैं.

यहां 5 दिन महिलाएं नहीं पहनती हैं कपड़े, वजह है अनोखी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 18 अगस्त , Himachal Pradesh के मणिकर्ण घाटी के पीणी गांव में हर साल शादीशुदा महिलाएं सावन के 5 दिन निरवस्त्र रहती हैं. आपको ये सुनकर हैरानी जरूर हो रही होगी, लेकिन ये सच है. इस गांव में ये प्रथा सदियों से चली आ रही है. इस प्रथा के दौरान गांव की महिलाएं सावन में 5 दिनों तक कपड़े नहीं पहनती हैं. इन पांच दिनों में पीणी गांव में बाहरी शख्स के आने पर मनाही होती है. गांव वालों की मानें तो अगर कोई महिला इस प्रथा का पालन नहीं करती है और इस दौरान कपड़े पहन लेती है तो उसे कोई अशुभ समाचार सुनने को मिलता है या उसके घर में कोई अप्रिय घटना घट जाती है. इसीलिए इस परंपरा का गांव वाले सख्ती से पालन करते हैं और गांव के हर घर की महिलाएं इसे निभाती हैं.

पांच दिनों तक पति-पत्नी नहीं करते हैं बात-

मान्यताओं के अनुसार इन 5 दिनों में पति-पत्नी आपस में बात नहीं करते हैं. इस प्रथा में पति-पत्नी एक-दूसरे को देख कर मुस्कुरा भी नहीं सकते हैं. इस दौरान वो एक दूसरे से दूर रहते हैं. वहीं पुरुषों को इन 5 दिनों में शराब पीने की मनाही होती है. वहीं मांस के सेवन पर भी पाबंदी होती है. इस परंपरा को 17 अगस्त से 21 अगस्त

साभार - सो.मी.

तक निभाया जाता है. इस प्रथा के बारे में पढ़ने के बाद आपके दिमाग में भी ये सवाल आ रहा होगा कि क्या इस दौरान महिलाएं बिना कपड़ों के बाहर घूमती हैं? तो हम आपको बता दें कि ऐसा नहीं है. इन पांच दिन महिलाएं घर पर रहती हैं. वो इन दिनों घर से बाहर नहीं जाती हैं. गांव में इस दौरान किसी बाहरी व्यक्ति के आने पर भी पाबंदी होती है.

क्यों किया जाता है इस प्रथा का पालन-

मान्यताओं के अनुसार सदियों पहले इस गांव पर राक्षसों ने कब्जा जमा लिया था. राक्षसों का निशाना गांव की सुंदर कपड़े पहनने वाली शादीशुदा महिलाएं होती थीं. वो इन्हें अपने साथ ले जाते थे. राक्षसों से गांव वालों की रक्षा करने के लिए 'लाहुआ घोंड' नाम के देवता प्रकट हुए. देवता ने राक्षसों को हरा दिया.तभी से गांव वालों का मानना है कि आज भी अगर महिलाएं सुंदर कपड़े पहनेंगी तो उन्हें राक्षस उठाकर ले जा सकते हैं, इसलिए महिलाएं बिना कपड़ों के रहती हैं. अगर कोई महिला अपने शरीर को ढकना चाहती है तो वह बस ऊन से बना एक पटका यूज कर सकती है.

नाबालिक से दुष्कर्म में दोषी दंपति को 20-20 साल की सजा

देहरादून। चौदह साल की नाबालिग लडक़ी से दुष्कर्म के मामले में कोर्ट से सरकारी ठेकेदार और उसकी पत्नी को 20-20 कठोर कारावास की सजा सुनाई। फास्ट ट्रैक कोर्ट ने दंपति पर 30 हजार का अर्थदंड भी लगाया है, इसमें 27 हजार रुपये पीड़िता को दिए जाएंगे। यह मामला 2019 में तब सामने आया था, जब पीड़िता सात महीने की गर्भवती थी और बाद में उसने बच्चे को भी जन्द दिया था। शासकीय अधिवक्ता किशोर कुमार ने बताया कि 7 जनवरी 2019 को पीड़ित लडक़ी के पिता ने नेहरू कॉलोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। बताया कि 14 वर्षीय पुत्री का स्वास्थ्य अचानक खराब हो गया। लडक़ी को उपचार के लिए डॉक्टर के पास लेकर गए तो वह सात महीने की गर्भवती निकली। लडक़ी से पूछताछ में पता चला कि अप्रैल 2018 में चकशाहनगर में रहने वाले ठेकेदार ने उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया। उसने ठेकेदार की करतूत उसकी पत्नी को बताई तो दंपति ने उल्टे उसे ही इस बारे में किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दे दी। इसके बाद पीड़िता चुप रही। उसके गर्भवती होने पर इसका खुलासा हुआ। पिता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी ठेकेदार चांद और उसकी पत्नी हुसनो जहां निवासी चकशाहनगर के खिलाफ दुष्कर्म, पोक्सो और जान से मारने की धमकी देने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था। अभियोजन की ओर से कुल सात गवाह पेश किए गए। कोर्ट ने अदालत ने गुरुवार को आरोपी दंपति की सजा पर फैसला दिया। आरोपी सरकारी विभागों का ठेकेदार है। पीड़िता उसके घर कई बार कपड़ों पर प्रेस करने के लिए जाती थी, इसी दौरान ही उसने घिनौनी हरकत की।

18 फरवरी 2019 को पीड़िता ने जन्मा था बच्चा

शासकीय अधिवक्ता किशोर कुमार ने बताया कि गर्भवती पीड़िता ने 18 फरवरी 2019 को एक बच्चे को जन्म दिया था। बच्चे को कोर्ट के आदेश पर नवजात को शिशु सदन में रखा गया, जहां से उसे किसी दंपति के सुपुर्द कर दिया गया।

बाजपुर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के स्थायी समाधान पर हुआ मंथन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हल्द्वानी , 18 अगस्त , विधानसभा गदरपुर के अंतर्गत बाजपुर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के स्थायी समाधान हेतु मण्डलायुक्त दीपक रावत की अध्यक्षता में हल्द्वानी में बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए मण्डलायुक्त ने बाजपुर, गदरपुर के ड्रेनेज प्लान हेतु सर्वे के साथ ही विभिन्न विभागीय परिसम्पत्तियों गूल,नालों व नहरों को अतिक्रमण मुक्त करने के निर्देश सिंचाई विभाग को दिए। इसके अलावा सिंचाई विभाग को बाजपुर बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का सर्वे कर तात्कालिक व स्थाई समाधान हेतु आकलन बनाने के निर्देश दिये।

बैठक में उपस्थित विधायक गदरपुर अरविंद पांडेय ने बताया कि सिंचाई विभाग की नहरों, नालों, गूलों में उसके आस पास रहने वाले लोगों के द्वारा कब्जा किया गया है जिससे जल इकाइयों के स्वरूप में परिवर्तन आने से पानी की निकासी नहीं ही पाती। इसी तरह राष्ट्रीय राजमार्ग, रेल पटरी पर समुचित कॉज वे न होने के कारण भी समस्या आ रही है। इससे क्षेत्र में पानी के इकठ्ठा होकर बाढ़ रूप लेने की सम्भावना बनी रहती है। इस मामले में मण्डलायुक्त दीपक रावत ने मुख्य अभियंता संजय शुक्ला को सिंचाई विभाग की परिसम्पत्तियों को अवैध कब्जे से मुक्त करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि नालों, गूलों से अवैध कब्जा हटाते ही पानी की निकासी ठीक प्रकार से होने लग जायेगी जिससे समस्या का काफी हद तक समाधान हो जाएगा। इसके अलावा सिंचाई विभाग को तात्कालिक व पूर्णकालिक समाधान हेतु आकलन बनाने के निर्देश दिए।

गौरतलब है कि नैनीताल की बारिश का पानी चूनाखान नाले से होते हुए बाजपुर पहुँचकर बाढ़ रूप लेने की संभावना बनी रहती है। इसके लिए सिंचाई विभाग द्वारा तकनीकी सर्वे कर आकलन को तैयार किया जाएगा तथा प्रस्ताव आपदा न्यूनीकरण में भेजा जाएगा। इस अवसर पर डीएफओ पश्चिम रामनगर प्रकाश चन्द्र, ईई दीक्षांत, पीसी पांडेय, उप जिलाधिकारी बाजपुर राकेश तिवारी, कालाढूंगी रेखा कोहली , सहायक अभियंता राजेश पन्त सहित अन्य लोग मौजूद थे।

रामझूला पुल पर सवा तीन घंटे आवागमन रहा प्रतिबंधित

ऋषिकेश। गंगा के उफान से रामझूला पुल के एबटमेंट का सुरक्षा पुश्ता ढह गया। आसपास की मिट्टी के कटाव से पीडब्ल्यूडी और पुलिस अधिकारियों में हडक़ंप मच गया। आनन-फानन में पुलिस ने सैलानियों की सुरक्षा के मद्देनजर रामझूला पुल पर आवाजाही रोक दी। सवा तीन घंटे तक पुल पर आवागमन पूरी तरह से प्रतिबंधित रहा। पीडब्ल्यूडी के एक्सपर्ट ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की। इसके बाद पैदल आवाजाही के लिए पुल को खोला दिया गया। गुरुवार तडक़े रामझूला पुल के एबटमेंट की सुरक्षा दीवार के पास की मिट्टी का गंगा के उफान से कटाव शुरू हो गया। दीवार ढहने की सूचना पुलिस तक पहुंची, तो तत्काल एसडीएम नरेंद्रनगर को अवगत कराया गया। उन्होंने झूला पुल पर फौरन आवागमन प्रतिबंधित करने के निर्देश दिए।

पीडब्ल्यूडी की नरेंद्रनगर डिविजन के इंजीनियरों की टीम को मौके पर पहुंचकर जांच के लिए कहा गया। सुबह करीब सवा आठ बजे मुनिकीरेती पुलिस ने बैरिकेड लगाकर रामझूला पुल पर आवागमन प्रतिबंधित कर दिया। इस बीच पीडब्ल्यूडी के अधिशासी अभियंता अशुतोष इंजीनियरों की टीम लेकर पहुंचे। उन्होंने एबटमेंट की जांच की, इसमें पता चला कि एबटमेंट फिलहाल सुरक्षित है। सिर्फ सुरक्षा के लिए बना पुश्ता मिट्टी के कटाव से क्षतिग्रस्त हुआ है। एसडीएम देवेंद्र सिंह नेगी ने बताया कि सुबह करीब 11 के आसपास पुल को पैदल आवाजाही के लिए खोल दिया गया। दोपहिया वाहनों का आवागमन अभी एहतियात के तौर प्रतिबंधित रखा गया है। बताया कि पीडब्ल्यूडी ने पुश्ते की मरम्मत का काम शुरू कर दिया है।

संपादकीय

'इंडिया' में अविश्वास!

विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' में दरारें और अविश्वास के भाव पनपने लगे हैं। देश की मौजूदा राजनीति के मद्देनजर यह गठबंधन बेहद जरूरी और प्रासंगिक है, लिहाजा किसी भी दरार के उभरने पर उसका विश्लेषण भी अनिवार्य है। भारत में राजनीतिक गठबंधनों की नियति यही रही है कि वे बनते हैं, क्योंकि उन्हें टूटना होता है। वे टूटते हैं, क्योंकि फिर बनना होता है। सियासी गठबंधन का कोई भी 'स्थायी भाव' नहीं होता। शरद पवार देश के रक्षा और कृषि मंत्री रह चुके हैं। वह लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष भी रहे हैं। एक दौर था कि उनका नाम राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री पद के लिए भी चर्चा में रहता था। यह दीगर है कि उनकी पार्टी इतनी छोटी है कि वह कभी इन पदों तक पहुंच ही नहीं सके और न ही संभव था। अलबत्ता वह भाजपा में आ जाएं, तो विचार किया जा सकता है, लेकिन वह देश के प्रधानमंत्री कभी भी नहीं बन सकते। ऐसे वयोवृद्ध और अनुभवी नेता पर शिवसेना (उद्धव) और कांग्रेस के वे नेता सवाल कर रहे हैं, जो नौसीखिया जमात के हैं और विपक्षी गठबंधन के धागे बुनने में जिनका रत्ती भर भी योगदान नहीं है। दिल्ली में कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता अलका लांबा ने मीडिया को सार्वजनिक तौर पर ब्रीफ किया कि कांग्रेस नेतृत्व ने दिल्ली की सातों लोकसभा सीटों पर चुनावी तैयारी के निर्देश दिए हैं, जाहिर है कि पार्टी सभी सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारेगी। यह कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और दिल्ली के प्रादेशिक नेताओं ने एक बैठक में तय किया। तल्ख प्रतिक्रिया स्वाभाविक थी, लिहाजा दिल्ली सरकार के मंत्री सौरभ भारद्वाज और आम आदमी पार्टी (आप) की मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने गठबंधन के औचित्य पर सवाल उठा दिए। यह भी कहा कि 'इंडिया' की मुंबई बैठक में शामिल होने का मतलब ही क्या है? अलबत्ता उन्होंने अंतिम फैसला मुख्यमंत्री केजरीवाल पर छोड़ दिया। दूसरी तरफ महाराष्ट्र के भीतरघात हैं। वहां उपमुख्यमंत्री अजित पवार और दिग्गज नेता शरद पवार की मुलाकात पुणे के एक उद्योगपति के आवास पर हुई। इससे पहले भी दो-तीन मुलाकातें हो चुकी थीं। शरद पवार उपमुख्यमंत्री के सगे चाचा हैं और पवार परिवार में पिता-तुल्य हैं, लिहाजा ऐसी मुलाकातें स्वाभाविक हैं। एनसीपी में बगावत और विभाजन के बाद ये मुलाकातें हुई हैं। उद्धव ठाकरे की पार्टी के मुखपत्र 'सामना' में इन मुलाकातों के मद्देनजर संपादकीय तक लिख दिया गया कि शरद पवार भ्रम की स्थिति पैदा कर रहे हैं। कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने संभावनाओं का पिटारा ही खोल दिया कि अजित के जरिए शरद पवार भाजपा-एनडीए में जा सकते हैं। उन्हें केंद्रीय कृषि मंत्री या नीति आयोग का उपाध्यक्ष बनाने की पेशकश दी गई है। शरद की सांसद-पुत्री सुप्रिया सुले को भी केंद्रीय मंत्री बनाया जा सकता है। हालांकि शरद और सुप्रिया ने पेशकश की अफवाहों का खंडन किया है और भाजपा को 'सांप्रदायिक और दरारें पैदा करने वाली' पार्टी करार देकर उसके खिलाफ 'राजनीतिक संघर्ष' का संकल्प भी दोहराया है, लेकिन शरद पवार फिर भी सवालिया हैं। दरअसल पार्टी में दोफाड़ होने के बाद शरद पवार की ताकत भी विभाजित हुई है। उनकी पार्टी का नाम और निशान का मामला चुनाव आयोग के विचाराधीन है, लेकिन जिन नेताओं के प्रयासों से 'इंडिया' गठबंधन अस्तित्व में आया है, उनमें शरद पवार भी शामिल हैं। उन्हें कमोबेश महाराष्ट्र की राजनीति का 'पुराना चाणक्य' माना जाता है। यदि भ्रम और पालाबदल के सवाल और संदेह पैदा होते रहेंगे, तो विपक्ष का कोई भी गठबंधन लामबंद कैसे रह सकता है? जहां तक 'आप' का सवाल है, तो उसका उदय ही कांग्रेस का जनाधार छीनने की राजनीति के साथ हुआ है। 'आप' और कांग्रेस का किसी भी स्तर पर गठजोड़ 'अप्राकृतिक' है।

दैनिक न्यूज़ वायरस

संपादक : मौ.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002 **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com **Website :** www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus

न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

रुड़की : मैदान पर पुराने तेवर में लौटे ऋषभ पंत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुड़की 18 अगस्त : अच्छा और बुरा वक्त हर किसी की जिंदगी में आता है। कुछ लोग बुरे वक्त में टूट जाते हैं तो कुछ उम्मीद का दामन न छोड़कर दूसरों के लिए मिसाल बन जाते हैं। क्रिकेटर ऋषभ पंत इसका शानदार उदाहरण हैं। ऋषभ के लिए साल की शुरुआत अच्छी नहीं रही। वो एक सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। तब से ऋषभ इंटरनेशनल क्रिकेट से दूर हैं, उनके फैंस ऋषभ को जल्द ही मैदान पर देखना चाहते हैं, और लगता है ये इंतजार जल्द ही खत्म होने वाला है।विश्व कप में भारत की उम्मीद के रूप में देखे जा रहे ऋषभ इन दिनों बेंगलुरु में अपनी फिटनेस पर काम कर रहे हैं, साथ ही वो क्रिकेट के मैदान में भी लौट आए हैं।

सोशल मीडिया पर ऋषभ का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वो मैदान पर बैटिंग करते दिखाई दिए। दर्शकों ने जैसे ही ऋषभ को देखा वो उनका जोश बढ़ाने के लिए हूटिंग करने लगे। इस वीडियो के सामने आने के बाद क्रिकेट फैंस खुश हैं। वायरल वीडियो में ऋषभ मैदान में चौके-छक्के जड़ते दिखाई दे रहे हैं।उत्तराखंड वासियों के लिए ऋषभ को फिर से खेलते देखना एक सपने के सच होने जैसा है। क्रिकेट फैन चाहते हैं कि पंत जल्द भारतीय टीम में वापसी करें। बीते दिन उन्होंने काफी देर तक क्रीज पर बल्लेबाजी की। पंत ने एक्सीडेंट के बाद काफी समय नेशनल क्रिकेट एकेडमी में बिताया है। इस दौरान उन्होंने खुद को फिट किया और बल्लेबाजी-विकेटकीपिंग का अभ्यास किया। 30 दिसंबर 2022 को पंत की कार दिल्ली-देहरादून राजमार्ग पर दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। इसमें वह गंभीर रूप से जख्मी हो गए थे।

सैपियंस स्कूल में मेरा भारत महान पर विचार गोष्ठी

विकासनगर। नमः उत्सव श्रृंखला की कड़ी में गुरुवार को सेपियंस स्कूल हरबर्टपुर में विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया। जिसमें सर्वप्रथम प्रार्थना सभा में कक्षा सातवीं के छात्र-छात्राओं द्वारा 'मेरा भारत महान' विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। छात्र-छात्राओं ने विद्यालय प्रांगण में पौधरोपण भी किया। सेपियंस स्कूल में कक्षा सातवीं की छात्र गीतिका ने संदेशे आते हैं देश भक्ति गीत छात्रा राशि वशिष्ठ और नव्या के द्वारा स्वरचित कविताओं का वाचन किया गया। छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति विषय पर आधारित रंगोली के डिजाइन बनाए जो कि विद्यालय मे सभी के लिए आकर्षण के केंद्र बने रहे। इसके अतिरिक्त कक्षा एक से चार तक के छात्र-छात्राओं ने तिरंगे के तीन रंगो पर अधारित खाद्य गतिविधि आयोजित की गई। जिसमें तीन रंगों से सजी इडली और तीन रंगों से पके चावल को बहुत ही आकर्षण ढंग से सजाकर प्रस्तुत किया। तत्पश्चात छात्र-छात्राओं ने विद्यालय प्रांगण में पौधरोपण किया, जिसमें विभिन्न प्रजाति की पौध को रोपा गया। विद्यालय की प्रधानाचार्या रश्मि गोयल ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा इस तरह के कार्य छात्र-छात्राओं मे देशभक्ति की भावना प्रकट करती है। इस दौरान गीता नेगी, पारूल, उमा पुंडीर, अदिति, सृष्टि, रीना जोशी, सिमरन खान, वंदना आदि मौजूद रहे।

ग्राम पंचायत केदारावाला में हुआ मेधावी छात्र सम्मान समारोह

विकासनगर। ग्राम पंचायत केदारावाला में पंचायत घर पर आज़ादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत मेधावी छात्र सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रगति सामाजिक कल्याण संस्था के सहयोग से ग्राम पंचायत द्वारा उत्तराखंड बोर्ड एंड सीबीएसई बोर्ड में कक्षा 10वीं और 12वीं में 60त्न से अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान तबस्सुम इमरान ने सभी मेधावी छात्रों को बधाई दी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले छात्र छात्राओं को पुरस्कृत किया।

डेंगू बुखार में क्या खाना चाहिए और क्या नहीं ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 18 अगस्त , डेंगू एक खतरनाक संक्रमण बीमारी है. यह मादा एडीज एजिप्टी मच्छर के काटने से होती है. डेंगू को 'हड्डीतोड़ बुखार' के नाम से भी पुकारा जाता है. इससे ग्रसित व्यक्ति को तेज बुखार होता है. इसमें मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द, सिर दर्द, आंखों के पीछे दर्द, उल्टी और मिचली महसूस होना आदि जैसे लक्षण भी दिखाई देते हैं. यदि लापरवाही बरतते हैं, तो यह खतरनाक साबित हो सकता है. इससे पीड़ित मरीज के प्लेटलेट्स कम होने लगते हैं. डॉक्टर्स भी डेंगू के मरीजों को शीघ्र स्वस्थ होने के लिए कई चीजें खाने की सलाह देते हैं. यदि आपको नहीं पता हैं, तो आइए जानते हैं कि डेंगू बुखार में क्या खाना चाहिए और क्या नहीं?

पपीते के पत्ते का जूस पीएं

पपीते के पत्ते में विटामिन-सी और एंटी-ऑक्सिडेंट पाए जाते हैं जो इंसान के इम्यून सिस्टम को मजबूत करने में मददगार सिद्ध होते हैं. डेंगू बुखार से ग्रसित व्यक्ति को प्लेटलेट्स में सुधार के लिए पपीते के पत्ते का जूस पीना चाहिए. इसका दिन में दो बार सेवन करने से जल्द राहत मिलती है.

वेजिटेबल जूस पिएं

सब्जियों में विटामिन-सी प्रचुर मात्रा में पाया जाता है. ताजी सब्जियों का जूस पीने से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है. इसके लिए आप अपनी पसंद की सब्जियों का जूस बनाकर सेवन करें. यदि आप चाहे तो स्वाद के लिए इसमें नींबू का रस भी मिला सकते हैं.

हर्बल चाय पिएं

आयुर्वेद में हर्बल को औषधि की तरह उपयोग किया जाता है. इसमें सैकड़ों औषधीय गुण पाए जाते हैं जो सेहत के लिए उपयुक्त दवा है. इसके लिए आप दालचीनी और अदरक युक्त चाय बनाकर सेवन कर सकते हैं. दोस्तों यदि आप चाहे तो तुलसी, काली मिर्च और लौंग का भी सहारा ले सकते हैं. हर्बल चाय को पीने से मन-मस्तिष्क में ताजगी का संचार होता है.

चिकन सूप पिएं

कई शोध में इस बात की पुष्टि हो चुकी है कि चिकन सूप पीने से सर्दी खांसी और जुकाम में आराम मिलता है. इससे शरीर हाइड्रेट रहता है और शरीर का तापमान बढ़ता है, जिससे बलगम खत्म होने लगता है.

नीम पत्ते का जूस पिएं

इसमें कई औषधीय गुण पाए जाते हैं. चिकित्सकों की मानें तो डेंगू के मरीजों के लिए नीम के पत्ते रामबाण दवा हैं. इसके लिए नीम के पत्तों को जूस पिएं. इसके सेवन से संक्रमण को कंट्रोल करने में सहायता मिलती है.

हल्दी-दूध पिएं

डॉक्टर्स हमेशा फ्लू, सर्दी खांसी और जुकाम को दूर करने के लिए हल्दी-दूध पीने की सलाह देते हैं. यदि आपको हल्दी-दूध पसंद नहीं है, तो हल्दी-पानी का भी सेवन कर सकते हैं.

आंवला जूस पिएं

आंवले में विटामिन-ए और सी प्रचुर मात्रा में पाया जाता है जो प्लेटलेट्स बढ़ाने में सहायताा करते है. इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स के गुण पाए जाते हैं. आंवले के सेवन से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है और ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस दूर होता है.

किन चीजों से परहेज करें

ऑयली और फ्राइड फूड्स से दूर रहें. बाजार और घर में बनने वाली सभी ऑयली और फ्राइड चीज़ें शामिल हैं. साथ ही कैफीन, कार्बोनेटेड ड्रिंक्स, तीखे और चटपटे चीजें और हाई फैट फूड्स बिल्कुल न खाएं.

कहानी उस मुगल बादशाह की जो पर्दा करता था

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

बायां कदम आगे बढ़ाया तो लौटा देता था उल्टे पैर

ब्यूरो रिपोर्ट , 18 अगस्त , मुगल इतिहास में तख्त संभालने वाले शासकों ने अपने हिसाब से दरबार के नियम तय किए थे. इन्हीं में से एक मुगल बादशाह ऐसा था जो दरबार में आने वाले व्यक्ति के कदमों से ये तय करता था कि उससे मुलाकात करनी है या नहीं. यदि कदम गलत पड़ते थे तो उस व्यक्ति को बादशाह उल्टे पैर ही लौटा देता था. मुगल इतिहास में एक बादशाह ऐसा भी हुआ जो पर्दा करता था, उसके दरबार का अपना एक अलग ही अनुशासन था. वह बादशाह हर मिलने वालों के कदमों को देखकर यह तय करता था कि वह उससे मुलाकात करेगा या नहीं. जो व्यक्ति मिलने आ रहा है यदि उसके कदम दरबार में ठीक तरह से नहीं पड़ते थे तो सम्राट उसे उल्टे पैर ही लौटा देता था.

कहा तो ये तक जाता है कि ये मुगल बादशाह नजूमी यानी ज्योतिष पर इतना विश्वास करता था कि उसके हिसाब से ही लिबास धारण करता था. अपने शासनकाल में दरबार के तौर-तरीकों को विकसित करने वाला यह मुगल बादशाह था हुमायूं, हिंदुस्तान में मुगल साम्राज्य की स्थापना के महज चार वर्ष बाद ही वालिद बाबर की मौत के बाद हुमायूं ने मुगल सल्तनत को संभाला था. 23 वर्ष की आयु में बादशाह बने हुमायूं ने दरबार के अपने तौर तरीके बनाए और जीवन भर उन्हें निभाया.

पर्दा करता था हुमायूं

मुगल सम्राट हुमायूं के बारे में कहा जाता है कि वह पर्दा करता था. दरअसल यह एक तरह से पर्दा दरबार होता था. हुमायूं ने ही इसकी शुरुआत की थी. इतिहासकार तर्क देते हैं कि यह बादशाह और प्रशासन के बीच सुरक्षा के लिए उपयुक्त होता था. हुमायूं पर्दा दरबार में ही लोगों से बातचीत करता था. पर्दे के बिना वह सिर्फ गिने-चुने लोगों से ही मिलता था. हुमायूं के बाद अकबर ने भी कुछ दिन पर्दा दरबार का पालन किया. बाद में इसे समाप्त कर दिया गया था.

साभार - सो.मी.

नजूमियों पर विश्वास

हुमायूं नजूमी यानी ग्रहों की चाल पर विश्वास करता था. वह ज्योतिष के प्रति आकर्षित था. यहां तक कि उसने अपनी दिनचर्या और पहनावे को भी ज्योतिष के आधार पर तय कर रखा था. इतिहासकार लेनपुल के मुताबिक हुमायूं ने सप्ताह के सातों के दिनों के अलग-अलग रंग के लिबास तय कर रखे थे. वह दिन के हिसाब से इन लिबासों को धारण करता था. उसका हाथ भी तमाम अंगूठियों से भरा रहता था. ऐसा कहा जाता है कि हुमायूं के पिता बाबर भी अपने शासनकाल में नजूमियों की सलाह का पालन करते थे. हुमायूं ने भी इसे आगे बढ़ाया.

कदम देखकर तय करता था किससे मिलना है किसे लौटाना है

हुमायूं के बारे में एक और दिलचस्प तथ्य यह है कि हुमायूं दरबार में आने वाले के कदम देखकर ये तय लेता था कि इससे मिलना है या नहीं. यदि कोई व्यक्ति दरबार में पहले बायां पैर रखता था तो वह तुरंत उस व्यक्ति को दरबार से बाहर निकलवा देता था और कहता था कि दरबार में प्रवेश करते वक्त दायां पैर ही पहले रखा जाए. कुछ इतिहासकार हुमायूं की इस आदत को दरबार का प्रोटोकॉल बताते हैं. उनके मुताबिक दरबार का अनुशासन बनाए रखने के लिए किसी भी व्यक्ति को बेहद सटीक कदमों के साथ ही बादशाह के पास जाने की अनुमति दी जाती थी. यदि कदम ठीक नहीं पड़ते थे तो हुमायूं खुद उस व्यक्ति से मिलने से इन्कार कर देता था.

उत्तराखंड : इस बैंक में निकली भर्तियां, जल्दी करें अप्लाई

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 18 अगस्त : जॉब की तलाश में हैं तो आप एकदम सही जगह आए हैं। न्यूज़ वायरस आपके लिए रोजगार से जुड़ी जानकारियां लाता रहा है। इस बार हम आपको नैनीताल बैंक में निकली भर्ती के बारे में बताएंगे। नैनीताल बैंक लिमिटेड ने मैनेजमेंट ट्रेनी और क्लर्क के पदों पर भर्ती निकाली है। भर्ती के लिए योग्यता क्या है, और आवेदन कैसे करना है, ये जानने के लिए न्यूज़ वायरस के साथ जुड़े रहें। भर्ती के माध्यम से नैनीताल बैंक लिमिटेड में 110 खाली पदों को भरा जाएगा। मैनेजमेंट ट्रेनी के 60 पदों के लिए आवेदन मांगे गए हैं, जबकि क्लर्क के पद के लिए 50 वैकेंसी है। बैंकिंग क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक उम्मीदवार ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। अब योग्यता के बारे में बताते हैं। प्रबंधन प्रशिक्षु के लिए न्यूनतम 50 फीसदी अंकों के साथ किसी भी विषय में स्नातक/ मास्टर्स डिग्री होनी जरूरी है। साथ ही कंप्यूटर का ज्ञान भी होना चाहिए। इसी तरह क्लर्क के पदों के लिए आवेदक का न्यूनतम 50 फीसदी अंकों के साथ किसी भी विषय में स्नातक या स्नातकोत्तर पास होना जरूरी है। कंप्यूटर संचालन का बुनियादी ज्ञान भी होना चाहिए। मैनेजमेंट ट्रेनी के लिए 40,000 रुपये प्रति माह वेतन निर्धारित है। जबकि क्लर्क के लिए अलग-अलग पे स्केल और बेसिक पे का स्पेशल अलाउंस है।मैनेजमेंट ट्रेनी और क्लर्क भर्ती-2023 के लिए आवेदक की आयु 21 वर्ष से 32 वर्ष के बीच होनी चाहिए। आवेदक की आयु सीमा की गणना 30 जून 2023 के आधार पर की जाएगी। आरक्षित वर्ग को अधिकतम आयु सीमा में छूट दी जाएगी। मैनेजमेंट ट्रेनी पद के लिए आवेदन शुल्क 1500 रुपये है। जबकि क्लर्क पद के लिए आवेदन शुल्क 1000 रुपये है। आवेदक 27 अगस्त 2023 तक आधिकारिक वेबसाइट https://ibpsonline.ibps.in/nblmtjul23/ पर आवेदन कर सकते हैं। जो भी युवा चयनित किए जाएंगे, उन्हें नैनीताल बैंक लिमिटेड से उत्तराखंड के अलावा उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान में मौजूद बैंक की शाखाओं में तैनाती दी जाएगी।

मंत्री अग्रवाल ने आपदा प्रभावित क्षेत्रों की समस्याएं जानीं

ऋषिकेश। मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने आपदा प्रभावित क्षेत्रों में राहत पहुंचाने के साथ पीड़ितों का हाल जाना। ग्रामीण क्षेत्रों में भारी वर्षा से हुए नुकसान की जानकारी ली। लोगों की समस्याएं जानने के बाद डीएम और डीएफओ को समाधान के लिए आवश्यक निर्देश दिए। देर शाम मंत्री अग्रवाल गुमानीवाला चीनी गोदाम रोड पहुंचे। यहां स्थानीय लोगों के घरों में पानी घुसने की समस्या देखने को मिली। दून घाटी शिक्षण संस्थान उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का भी निरीक्षण किया। स्थानीय पार्षद वीरेंद्र रमोला ने बताया कि जंगल से पानी लोगों के घरों में प्रवेश कर रहा है। मौके से ही मंत्री ने डीएफओ को दूरभाष पर निर्देश दिए कि जंगल से आने वाले पानी को तुरंत रोका जाए। जिलाधिकारी को भी दूरभाष पर इस संदर्भ में आपदा मद से फंड देने के निर्देश दिए। इस दौरान मौके पर एसडीएम सौरभ असवाल, मानवेंद्र कंडारी, मोर सिंह रावत, विनोद सेमवाल, शीशपाल नेगी, शिवानंद जोशी, पीएस गौड़, चमन प्रकाश जोशी, लक्ष्मी सजवाण, विशालमणी भट्ट, नागेंद्र पोखरियाल आदि रहे।

योग एवं सामाजिक क्षेत्र में कार्य करने वालों का सम्मान

ऋषिकेश। तुलसी मानस मंदिर में आयोजित श्री रामायण प्रचार समिति के वार्षिकोत्सव में योग एवं सामाजिक क्षेत्र में कार्य करने वालों को नवाजा गया। उन्नाव सांसद सच्चिदानंद साक्षी महाराज एवं विरक्त वैष्णव मंडल के अध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी दयाराम दास महाराज, डॉक्टर हेतराम ममगाईं, स्वामी आलोक हरि महाराज एवं स्वामी अखंडानंद सरस्वती ने प्रतिभाओं को सम्मान किया। साक्षी महाराज ने कहा कि आज पूरा विश्व योग अपना रहा है। भारतीय संस्कृति का लोहा आज पूरा विश्व मान रहा है। साक्षी महाराज ने रामायण की शिक्षा को आत्मसात करने के साथ समाज को धर्म मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। महामंडलेश्वर स्वामी दयाराम दास महाराज ने संस्कृत शिक्षारत छात्रों को शिखा रखने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि शिखा ब्रह्मतत्व की पहचान है। तुलसी मानस मंदिर के महंत रवि प्रपन्नाचार्य महाराज, समिति के प्रबंधक राजीव लोचन शर्मा, योग गुरु नवीन जोशी, अभिषेक शर्मा, रमाकांत भारद्वाज, राम गोविंद कुमार, संस्कार योगशाला शंकराचार्य फाउंडेशन के साधकों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर ऑस्ट्रेलिया से क्रिस्टीना मोना, रूस से गलिनो, इजराइल से मिशेल, केरला से रमेश आनंद, महाराष्ट्र से संजय, सीताराम सेमवाल, विक्की नौटियाल, अमित उनियाल, धीरज नेगी, अंकित कुमार, माही त्यागी, रोमा, उषा रिमाल, गोविंद रिमाल, योगी अजय जोशी आदि मौजूद रहे।